Making Government responsive and effective

260. SHRI O.P. KOHLI: Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) whether a meeting of the Chief Ministers, presided over by the Prime Minister was held in Delhi recently to discuss how to make Government responsive and effective and of the ways to motivate the civil servants;

(b) if so, the outcome of the meeting; and

(c) the action taken by Government thereon?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PERSONNEL, PUBLIC GRIEVANCES AND PENSIONS AND MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PARLIAMENTARY AFFAIRS (SHRI S.R. BALASUBRAMONIYAN):

(a) to (c) A Conference of Chief Ministers of StateyUTs was held on 24th May, 1997 under the Chairmanship of Prime Minister to discuss an Action Plan for Effective and Responsive Government. The Action Plan dealt with three themes, namely, accountable and citizen-friendly Government, transparency and Right to Information, and improving the performance and integrity of the public services. The issues that were discussed under these themes and which are being fol-lowed-up at Central and State levels are:

a. Citizens' Charter and accountable administration;

b. Effective and speedy public grie vance redressal system;

c. Empowering elected local bodies and decentralised delivery of services;

d. Review of laws, regulations and procedures;

e. Transparency and Right to Infor mation;

f. Access of the public to Informa tion from public offices and facilitation counters;

g. Code of Ethics for public ser- vices; t

h. Tackling corruption and cleansing the administration; and

i. Stability of tenure and a scheme for Civil Service Boards.

It was agreed that each State would work for the implementation of the Action Plan, making appropriate allowance for variation in local circumstances.

Government has set up a Comittee under the Cabinet Secretary including some Chief Secretaries representing different regions of the country as well as some senior officials of Government of India in order to elaborate different elements of the Action Plan and work out various decisions required at Central and State levels.

मध्य प्रदेश संवर्ग में आई0 ए0एस0 तथा आई पी0 एस0 पदों का सृजन

261. **श्री दिलीप सिंह जूदेव** : क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) मध्य प्रदेश में 1994-95 से 1996-97 तक आई0ए0एस0 तथा आई0पी0एस0 अधिकारियों के नए सृजित पदों की संख्या कितनी-कितनी हैं;

(ख) उन नए सृजित पदों का उनके विभागों सहित ब्यौरा क्या हैं;

(ग) इनमें से ऐसे पदों के नाम क्या-क्या है, जो अधिकारियों को समय पर पदोन्नति दिए जाने के सृजित किए गए हैं; और

(घ) आई0 ए0 एस0 तथा आई0पी0एस0 के उन पदों का ब्यौरा क्या हैं, जिनकी संख्या प्रशासनिक व्यय को
कम करने की दृष्टि से 1994-95 से 1996-97 तक की अवधि में कम कर दी गई हैं?

कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री एस0आर0 बालासुब्रहमण्यन) : (क) से (ग) भारत सरकार द्वारा 1994-95 से 1996-97 तक भारतीय प्रशासनिक सेवा तथा भारतीय पुलिस सेवा के मध्य प्रदेश संवर्ग में कोई संवर्ग पद सृजित नहीं

किए गए हैं। भारत प्रशासनिक सेवा के मध्य प्रदेश संवर्ग की अंतिम संवर्ग समीक्षा 27.1992 और भारतीय पुलिस सेवा संगत की समीक्षा 14.5.1992 को अधिसूचित की गई थी। संवर्ग नियमों के अन्तर्गत, भारतीय प्रशासनिक सेवा और भारतीय पुलिस सेवा की संवर्ग समीक्षाएं पांच वर्ष के पश्चात अर्थात 1997 में होनी थी।

(घ) 31.3.1995 से भारती प्रशासनिक सेवा, भारतीय पुलिस सेवा और भारतीय वल सेवा के सभी राज्य सवंर्गो के संबंध में अवकाश, प्रशिक्षण और कनिष्ठ-पद-रिजर्व में 10 की कटौती सरकारी व्यय में मितव्ययिता के उपाय के रूप में लागू की गई थी।

मध्य प्रदेश संवर्ग के सेवानिवृत आई0एस0 तथा आई0 पी0 एस0 अधिकारियों की देय राशि का भुगतान

262. **श्री दिलीप सिंह जूदेव :** क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) मध्य प्रदेश संवर्ग के भारतीय पुलिस सेवा तथा भारतीय प्रशासनिक सेवा के 1994-95 से 1996-97 के दौरान सेवानिवृत्त हुए अधिकारियों की वर्ष-वार संख्या कितनी-कितनी हैं;

(ख) इन अधिकारियों के नाम तथा पदनाम क्या-क्या हैं;

(ग) उन सेवानिवृत अधिकारियों के नाम क्या-क्या हैं, जिनकी देय राशि का भुगतान उनकी सेवानिवृत्ति के दिन ही कर दिया गया था तथा वे तिथियां कौन-कौन सी हैं,जब इन अधिकारियों को उनकी देय राशि का भुगतान किया था; और

(घ) उन अधिकारियों के नाम क्या-क्या हैं, जिनकी किसी भी देय राशि का भुगतान उनकी सेवा-निवृत्ति पर न किये जाने के लिए आदेश जारी किए गए थे तथा ऐसे आदेश जारी किए जाने और सेवानिवृत्ति से पहले ऐसी कार्यवाही न किए जाने के क्या-क्या कारण हैं?

कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री एस0आर0 बालासुब्रहमण्यन) : (क) से (घ) चूंकि भारतीय प्रशासनिक सेवा और भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारी राज्य संवर्ग के होते हैं अतः वह सूचना राज्य सरकारों द्वारा रखी जाती हैं और केन्द्रीकृत रूप से मॉनीटर नहीं की जाती हैं।

Ad-hoc Promotion of SOST Officers of Central Scrcrctariat Service

263. SHRI SOM PAL: Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) whether due representation has been given to SOST officers in promotion to Grade-I of Central Secretariat Service, on adhoc basis;

(b) if so, what are the year-wise and category-wise details of Section Officers promoted to Grade-I on ad-hoc basis, from 1987 to June, 1997;

(c) if not, what have been the reasons therefore;

(d) what steps are being taken to make up the shortfall;

(e) whether there have been some judgement of the Supreme Court and directions from the National Commission for SC and ST in this matter; and

(f) if so, the details of their implementation and if not, the reasons therefor?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PERSONNEL, PUBLIC GRIEVANCES AND PENSIONS AND MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PARLIAMENTARY AFFAIRS (SHRI S.R. BALASUB-RAMONIYAM): (a) The SOST officers have been considered for promotion to Grade I of the Central Secretariat Service (CSS) on an ad-hoc basis on the principle of seniority-cum-fitness in accordance with the general instructions issued by the Government. If the number of such officers found fit within the range of actual vacancies was less than the number of vacancies falling to their share then additional SOST officers were located by going down the scrniority list but within 5 times the number of vacancies to be filled. This extended zone is exclusive for SOST officers only.

(b) The year-wise and category-wise details of Section Officers promoted to grade I on ad-hoc basis on a centralised